(ग) परिवार नियोजन का प्रचार;

(घ) सामुदायिक कार्यों और गाँव के उत्थान के कार्यों के लिए स्वैच्छिक श्रमिकों का गठन ।

7. कृषि, वन संरक्षण तथा चरागाह भूमि के क्षेत्र में :—

(क) कृषि का योजनाबद्ध विकास;

(ख) कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से गाँव में कृषि का न्यूनतम मानक स्तर बनाए रखना;

(ग) खाद संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना, मिश्रित खाद तैयार करना और खाद की बिक्री;

(घ) उन्नत बीजों का उत्पादन, उन्नत बीजों के संवर्धन केंद्रों की स्थापना और उन्नत बीजों के उपयोग को प्रोत्साहित करना;

(ङ) उन्नत कृषि उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देना और ऐसे उपकरण आसानी से उपलब्ध करवाना;

(च) सहकारी कृषि को बढ़ावा देना;

(छ) फसल सरंक्षण और फसल परीक्षण;

(ज) लघु सिंचाई, खेत के कृषि जलनहर का निर्माण तथा अनुरक्षण और जल वितरण, जल संरक्षण सुधार और मृदा क्षरण की रोकथाम के लिए सब्ज बाग नालों, ढीले चट्टानों के बाँध, फिल्टर सीढ़ियों और अन्य उपायों के साथ खाई द्वारा नालों का उपचार;

(झ) ग्रामीण वनों, चरागाहों और फलोद्यानों की तैयारी, संरक्षण और सुधार;

(ञ) फसलों के सुरक्षा के लिए हानिकारक जानवरों के खिलाफ कदम अठाना ।

8. पशुपालन के क्षेत्र में :—

(क) पशु तथा पशु प्रजनन में सुधार;

(ख) पशुधन की सामान्य सुश्रुषा;

(ग) पशु प्रजनन के प्रयोजन के लिए साँड उपलब्ध कराना और अनुरक्षण करना;